पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

अब बस बिना परवाह किये हमें कोई न कोई वातावरण बनाना है और ऐसा वातावरण बनाना है जिससे हम डिस्टर्ब भी ना हों और सब कुछ कर भी लें। होता क्या है कि जैसे कोई हमारे आस-पास हलचल शुरू होती है, हम उस हलचल को ठीक करने में अपना ज़्यादा से ज़्यादा समय वेस्ट कर देते हैं, जबकि बुद्धिमानी ये है कि हमें वहाँ से किनारा करना है और अपने मन को परेशान नहीं होने देना है।

> हमको कभी भी अच्छा वातावरण नहीं मिल सकता। हमें उसे बनाना ही पड़ता है। आप जब पढ़ाई करते हो तो आपको थोड़ा भी कोई डिस्टर्ब करता है, तो आप तुरंत ही उठकर चल पड़ते बिना कुछ कहे, क्योंकि हर हाल में मुझे पढ़ना है। ये मन की अच्छी और कितनी ऊँची अवस्था है जिसमें वो अपने आपको डिस्टर्ब किये बिना ही काम करता है। यही तो हमें करना है।

बहुत कुछ दुनिया में हो रहा है और होता रहेगा। लोग अपने-अपने दायरे में रहकर बात कर रहे हैं और आपको भी इमोशनली उलझा रहे हैं। किसी विषय के प्रति झुकना हमारे उस एक उद्देश्य के आधार से ही है, जैसे यदि आपके जीवन में कुछ करने का मकसद है तो वो बहुत बड़ा फोर्स आपके साथ है। क्योंकि जब कुछ लक्ष्य जीवन में होता है तो हम हज़ार चीज़ें जीवन में छोड़ने को तैयार हो जाते हैं। इसीलिए आज हम मन को शक्तिशाली नहीं बना पा रहे क्योंकि कुछ करने का हमारे पास लक्ष्य नहीं है, जिसके लिए हम सब कुछ छोड़ने को तैयार हो जायें।

आप देखिये, जो बड़े-बड़े दुनिया के महान व्यक्तित्व हुए हैं वे बहुत बड़ा मकसद लेकर जी रहे थे तभी तो सिर्फ एक ढ़र्रे पर चलते रहे और सारी चीज़ें पीछे छूटती चली गईं। यही हमें भी तो करना है। बस एक बहुत बड़ा मकसद ज़िंदगी में ले आना है।

आप देखना मन में ऐसी चमत्कारी शक्ति आयेगी, आप सोच भी नहीं सकते। उदाहरण स्वरूप, ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक ब्रह्मा बाबा, दादी प्रकाशमणि, अन्य वरिष्ठ भाई-बहनें जिन्होंने सिर्फ एक पट्टे पर ही चलना सीखा और चलते ही चले गये। यही तो जीवन है और यही जीवन चरित्र है। महान काम करने वाले सिर्फ महान कार्य नहीं करते लेकिन कार्य को अलग तरीके से करते हैं। काम वही है, सबका मन भी वही है, फिर भी कुछ लोग उस काम को बेहरतरीन ढंग से करते हैं, क्योंकि उनके कर्म के पीछे एक लक्ष्य होता है। अब समझदारी यहाँ ये दिखानी है कि हमें काम चुनना आना चाहिए।

मान लो, आपका कार्य ऐसा है जिसमें आपका मन लगे, लेकिन वो आपके लिए अच्छा ना हो। तो आप ऐसा काम क्यों नहीं कर रहे जिसमें आपके लिए भी अच्छा हो और समाज के लिए भी अच्छा हो। वो काम आप चुनिये। जैसे ही आपका कोई कल्याणकारी भाव होगा कर्म करने के पीछे, तो मन ऐसा चमत्कारिक ढंग से काम करेगा कि आप सोच भी नहीं सकते। क्योंकि भाव कल्याणकारी है, किसी फल की इच्छा से नहीं है।

इसलिए कर्म वो करो जिस कर्म में सबका भला हो, तब मन अद्भुत तरीके से आपके साथ होगा, नहीं तो आप अटक जायेंगे। इस दुनिया में लोग जो कर्म कर रहे हैं, उसमें कोई न कोई लाभ उनको चाहिए, इसीलिए वे दुःखी हैं। तो आप तो ऐसा नहीं करेंगे ना...!

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-24 (2017-2018)

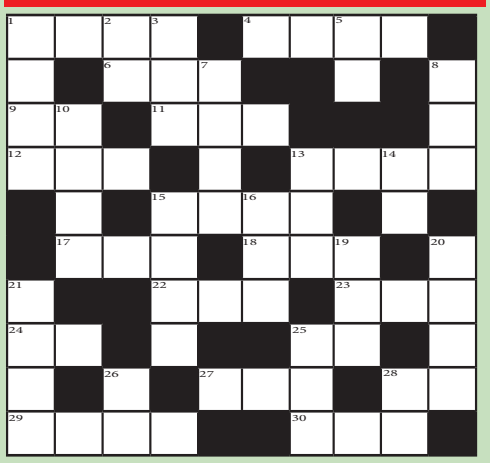

ऊपर से नीचे

1. दुनिया के हिसाब से वर्तमान युग (4)
2. ....पंछी तू उड़ जा वतन में (2)
3. ओर, बगल (3)
5. रोग, बीमारी (2)
7. व्यायाम, आसन (4)
8. ओ बाबा आपने.... कर दिया, चमत्कार (3)
10. अभी तुम बच्चों को योग की.... में जाना है, गूढ़ता (4)
13. यदि, ज्यादा.... मगर नहीं करना है (3)
14. परिणाम, नतीजा (2)
15. मुखिया, एक जाति (4)
16. पत्नी, जोड़ीदार (3)
19. तरंग, उमंग, जोश (3)
20. समझ, ज्ञान, जानने की अवस्था (4)
21. बुलाना, आह्वान करना (4)
25. सोना, स्वर्ण, गेहूँ (3)
26. त्रेतायुग के राजा, मर्यादा पुरुषोत्तम (2)
28. शुरू शुरू में वतन से बाबा ने सभी दादियों के....भेजे थे (2)

बायें से दायें

1. विनाश, अन्तकाल, प्रलय (4)
4. परमात्मा....नहीं हैं अवतार लेते हैं (4)
6. नर्क, दोज़क (3)
9. सृष्टि चक्र में चार.... दिखाये गये हैं (2)
11. अनाज की पैदावार, मौसम (3)
12. गूढ़, गहरा, कठिन (3)
13. पराजित, हारना (4)
15. सृष्टि चक्र में पहला युग (4)
17. परमात्मा, खुदा, अल्लाह, भगवान (3)
18. विष, ज़हर (3)
22. प्रवेश, आगमन (3)
23. खूबसूरत, बाबा एक....मुसाफिर है (3)
24. एक देवी, वो.... बन कलंक मिटाये (2)
25. हाथ, हस्त, भुजा (2)
27. ....के दाता श्वांसो के स्वामी (3)
28. ....से लक्ष्मी बनाते हैं, स्त्री (2)
29. नादान, बेसमझ (4)
30. कृपा, आशीर्वाद, कर्म (3)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 17
जून - 1 ओम - 5
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. राम, 2. पुरानी, 4. तमाशा, 5. दलाल, 6. शानदार, 7. जग, 9. मिसाल, 10. रात, 11. मैराथन, 12. तदबीर, 14. कमान, 15. समाज, 16. कमजोर, 18. नकल, 19. शाल, 21. जातक, 22. आश, 25. लात, 26. साल।

बायें से दायें
1. रावणपुरी, 3. मतभेद, 7. जननी, 8. शामिल, 10. राग, 11. मैदान, 12. तकरार, 13. झलक, 16. करीबी, 17. मानशान, 20. रजा, 22. आजकल, 23. जोश, 24. तलाश, 27. ताकत, 28. बाल।

पहेली - 18
जून - 2 ओम - 6
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. संकल्प, 2. मणका, 3. गणेश, 4. निशा, 5. रास, 6. कान, 9. प्रेम, 10. अमृत, 11. आधा, 12. कर, 14. तृप्त, 16. मशहूर, 17. मधुबन, 18. बहू, 19. आरज़ू, 22. मात, 23. नन, 24. नदी।

बायें से दायें
1. संगमयुग, 4. निराकार, 7. शासन, 8. शक्ति, 11. आक, 13. मृगतृष्णा, 15. धारणा, 16. मत, 19. आहार, 20. हूबहू, 21. रब, 22. माजून, 25. आफत, 26. नज़दीक।

पहेली - 19
जुलाई - 1 ओम -7
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. आदिकाल, 2. तत्व, 3. मूर्छित, 5. लहर, 6. लक्ष्मण, 8. नयन, 10. नश्वर, 13. अजामिल, 14. संसार, 15. सदा, 18. फायदा, 19. रग, 22. तिलक, 23. सत्र, 25. मती।

बायें से दायें
1. आथत , 4. हलचल, 7. रात, 8. नर, 9. लगन, 11. राय, 12. नर्क, 14. संस्कार, 16. प्रजा, 17. वफादार, 20. रत्न, 21. गति, 24. दाम, 26. चरित्र, 27. कलंक।

पहेली - 20
जुलाई - 2 ओम - 8
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. बापदादा, 2. शास्त्र, 3. पावन, 4. नाभी, 5. मरजीवा, 7. तराना, 8. प्रश्न, 11. ताकत, 12. पहचान, 13. हर, 17. लायक, 18. साख, 19. रटना, 20. भविष्य, 21. शरण, 25. बहार, 27. नाग।

बायें से दायें
1. बादशाह, 3. पालना, 6. भीतर, 8. प्रदान, 9. राजी, 10. दाता, 12. पहनावा, 14. कर्म, 15. शहर, 16. कला, 18. सार, 22. नटखट, 23. विकार, 24. कब, 26. हारना, 28. अपार, 29. गगन।

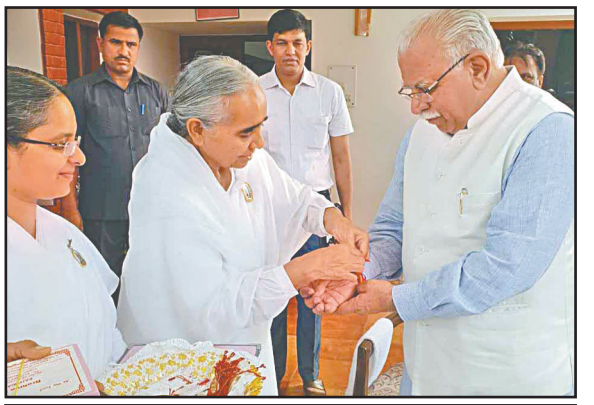

चण्डीगढ़। हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. उत्तरा।

भुवनेश्वर-ओडिशा। माननीय मुख्यमंत्री नवीन पटनाइक को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गीता।

लखनऊ-गोमती नगर(उ.प्र.)। उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. राधा।

जोधपुर-राज.। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य कृषि मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शील बहन।

मोहाली-पंजाब। रवि भगत,आई.ए.एस.,चीफ एडमिनिस्ट्रेटर,गमाडा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रेमलता।

सोनीपत-हरियाणा। वुमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट,आर्ट एंड कल्चर अफेयर्स स्टेट मिनिस्टर कविता जैन को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रमोद बहन।